हावड़ा-दिल्ली रेलवे लाइन के विद्युतीकरण में विलम्ब

*1091 **श्री जगन्नाथ राव जोशी :**
श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट

क्या रेल मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हावडा-दिल्ली रेलवे लाइन के विद्युतीकरण का कार्य किस तिथि को प्रारम्भ किया गया था और यह किस तिथि तक पूरा होना था,

(ख) इसके पूरा होने मे विलम्ब के क्या कारण है तथा यह किस समय तक पूरा हो जायेगा , और

(ग) इस लाइन के पूर्ण विद्युतीकरण से क्या-क्या लाभ होंगे ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI HANUMANTHAIYA) : (a) Electrification of Howrah-Burdwan section, which forms apart of the Howrah-Delhi Route, was started in 1954

(b) There has been no delay. The Electrification of Howrah-Delhi Route is expected to be completed by 1975-76

(c) With the completion of Electrification of Howrah-Delhi Route, it would be possible to operate Train services on the route without a change of Traction with resultant economy and efficiency.

श्री जगन्नाथ राव जोशी . अध्यक्ष महोदय, ऐसा ही सवाल मार्च, 1970 मे राज्य सभा मे पूछा गया था, जिसके उत्तर मे मन्त्री महोदय ने कहा था कि कानपुर टूण्डला 1971-72 तक पूरा हो जायगा, लेकिन टूण्डला के आगे दिल्ली तक के बारे मे इकानामिक स्टडी कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद फारन-एक्सचेन्ज और अवेलेबिल रिसोर्सेज को ध्यान में रख कर चौथी पचवर्षीय योजना के दौरान इस को पूरा करने की कोशिश की जायगी । लेकिन अब जो उत्तर दिया गया है उसमे इस बात का कोई उल्लेख नही है, इससे मैं समझता हू कि या तो इकानामिक स्टडी हुई ही नही है यदि हुई है तो ऐसा लगता है कि हमारे पास पर्याप्त रिसोर्सेज और फारन-एक्सचेन्ज हैं, इसी कारण कहा गया है कि 1975-76 तक यह पूरा हो जायगा । मै जानना चाहता हू कि जब 1954 मे यह योजना शुरू की गई थी, क्या उसको पूरा करने के लिये उस समय कोई तिथि निश्चित की गई थी, यदि की गई थी, तो इसमे देर क्यो हुई ?

SHRI HANUMANTHAIYA : Studies have been made as the hon. Member suggested. But, the real point is that we should finish within the targeted time. May be there may be some readjustment of the schedule of time. But I am very particular that this target stated is adhered to strictly and if there is any delay, the responsibility will be fixed on the concerned officer.

श्री जगन्नाथराव जोशी . मेरे सवाल के आखिरी भाग के जवाब मे कहा गया है कि 75-76 तक जब यह पूरा हो जायगा और यहा पर अलग ट्रेक्शन हो जायगा, तब ही लाभ का पता लग सकेगा । आजकल कानपुर मे इलैक्ट्रिक के लिये अलग लोको-शैड है, स्टीम इन्जिन के लिये अलग है, जिसकी वजह से ज्यादा खर्च उठाना पड़ता है । इसलिये इसको प्राथमिकता देकर जल्द से जल्द पूरा करना ज्यादा हितकर नही है क्या ?

SHRI HANUMANTHAIYA The hon. Member has made a suggestion that this disparity should be removed I will make a note of it and do the necessary thing

गांधी सागर बांध की ऊंचाई बढ़ाने का प्रस्ताव

*1093 **डा० लक्ष्मीनारायण पांडे :** क्या सिंचाई और विद्युत मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) क्या चम्बल कन्ट्रोल बोर्ड, मध्य

प्रदेश में गांधी सागर बांध की ऊंचाई बढ़ाने का विचार कर रहा है ;

(ख) क्या उक्त उद्देश्य के लिये लगभग एक सौ गांव का कोई सर्वेक्षण किया गया है ; और

(ग) यदि हां, तो उक्त योजना की रूप-रेखा क्या है और उस सम्बन्ध में किये गये सर्वेक्षण का क्या परिणाम निकला ?

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री बैजनाथ कुरील) : (क) से (ग). गांधी सागर बांध की ऊंचाई को बढ़ाने के लिये कोई प्रस्ताव नहीं है। जो अनुसंधान कार्य प्रश्न में उल्लिखित हैं वे बाढ़ों की पूर्व सूचना देने के सम्बन्ध में सम्बन्धित आंकड़े इकट्ठे करने के बारे में हैं, और जलाशय के नियमन में सहायता देने के लिये हैं ताकि अभिकल्पित मूल्य के अन्तर्गत अधिकतम स्तर सुनिश्चित किया जा सके।

डा० लक्ष्मीनारायण पांडे : माननीय मंत्री महोदय ने उत्तर में कहा है कि स्तर ऊंचा करने का प्रस्ताव नहीं है बल्कि अभिकल्पित मूल्य के अन्तर्गत अधिकतम स्तर सुनिश्चित करने हेतु प्रयत्न किया गया है। क्या इसका सीधा अर्थ यह नहीं है कि वे फिर से विचार करके स्तर को ऊंचा उठाने की दिशा में सोच रहे हैं। मैं मंत्री महोदय से स्पष्ट आश्वासन चाहता हूं-क्या उनका ऐसा कोई विचार ही नहीं है या फिर ऐसा कहें कि विचार रखते हैं, उसी हेतु सर्वेक्षण भी कराया है। अथवा यदि आपने बाढ़ों की पूर्व सूचना हेतु कोई सर्वेक्षण कराया है, तो उसका विवरण क्या है ?

THE MINISTER OF IRRIGATION AND POWER (DR. K. L. RAO) : There is no question of raising the height of the dam. This river, Chambal, is very erratic and there is some good amount of water in some year and it has got very little water in some years. Gandhi Sagar is a very good dam in the country and we want to see that a good storage is built up every year so that it can be useful when there is least rainfall. We have got to have some flood forecasting system to regulate the storage. For this we have carried out some survey. Once the project is completed, we cannot raise the height of the dam. It is not possible to do it.

डा० लक्ष्मीनारायण पांडे : बाढ़ नियंत्रण के अन्तर्गत जिन गांवों का सर्वेक्षण किया गया है, क्या ऐसे कुछ गांव पाए हैं, जो बाढ़ से प्रभावित हो सकते हैं ? क्या उनको वहां से हटाने की कोई योजना है ? अथवा कुछ गांवों की सुरक्षा की दिशा में कुछ विचार किया गया है ?

DR. K. L. RAO : Some data is being collected with reference to two objects. One is to organise a very good forecasting system. If there is good rainfall we can calculate how much water is coming and if the reservoir is full we can open the gates before the water comes in. Secondly, we want to ensure that when the reservoir is at full level there is no damage to the villages. There is no question of raising the dam, because it is not possible.

श्री नवल किशोर शर्मा : गांधी सागर डैम में अक्सर पानी की कमी हो जाती है, जिसके कारण बिजली के उत्पादन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या इसके कारणों की कोई जांच की गई है? यदि की गई है, तो इस कमी को दूर करने के लिये आप क्या उपाय सोच रहे हैं ?

DR. K. L. RAO : As I have submitted already, the Chambal river is very erratic. Sometimes it carries per year as low as 2 million acre-feet of water, and sometimes it carries as much as 6 million acre-feet of water. Thus, in some years it carries a very small quantity of water and in some years it carries a large amount of water. Our objective in having flood forecasting and in taking other measures is to see that we lock up every drop of water that the river carries in the good years so that it will be useful in the other years. A storage dam has been constructed much larger than the average yield of the river.

श्री फूलचन्द वर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि मंत्री महोदय ने अभी प्रश्न के उत्तर में बताया है कि गांधी सागर बांध का सर्वेक्षण कराने की योजना सरकार की है और इसका तात्पर्य यह हैं कि इसको देश का अच्छे से अच्छा बांध बनाया जाये तो इसमें पानी का अधिक स्टोर किया जा सके, अधिक से अधिक सिंचाई की जा सके और आस पास के जो प्रान्त है जो बिजली लेते हैं उनको अधिक बिजली मिल सके, अधिक पानी मिल सके, इसके लिये क्या सरकार के पास कोई निश्चित योजना है ?

DR. K. L. RAO : A number of dams have been constructed on the Chambal river, and every drop of water that falls in this area is being utilised. There is no other river in that area which is one of the scarcity areas. There is no other river in the vicinity and Chambal is the only river in that area. The Chambal itself has been planned completely and three dams have been constructed and have been nearly completed, and there is a barrage and and so on. There is nothing more that can be done on that river.

दिल्ली विद्युत प्रदाय सस्थान को दिया गया ऋण

*1094. **श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या सिंचाई और विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार ने दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान को अब तक कुल कितना ऋण दिया है ;

(ख) वित्तीय वर्ष 1971-72 मे उक्त सस्थान को कितना ऋण देने का प्रस्ताव हैं ; और

(ग) उक्त संस्थान को पहले से दिये गये ऋण पर ब्याज किस दर से लिया गया और 1971-72 में दिये जाने वाले प्रस्तावित ऋण पर ब्याज किस दर से लिया जाएगा ?

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री बैजनाथ कुरील) : (क) से (ग). सभा पटल पर एक विवरण प्रस्तुत है ।

विवरण

(क) 1939-40 से अब तक दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान को केन्द्रीय सरकार द्वारा दी गई ऋण की कुल रकम रु० 69.14 करोड़ है ।

(ख) आशा है कि 1972-72 के दौरान दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान को ऋण के रूप में रु० 6.95 करोड़ की रकम दी जाएगी । इसमें से 1 करोड़ रुपये का ऋण पहले ही दिया जा चुका है ।

(ग) केन्द्रीय सरकार पहले दिये जा चुके ऋणों पर लगाये जाने वाले ब्याज की दरों का समय समय पर निर्धारण करती रही और ये दरें प्रति वर्ष शुद्ध 3½ प्रतिशत से 6 प्रतिशत के बीच घटती बढ़ती रही । वर्ष 1971-72 के दौरान दिये गये ऋणों के ब्याज की दर प्रतिवर्ष शुद्ध 6 प्रतिशत है ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : मंत्री महोदय ने जो विवरण सभा पटल पर रखा है उसमें उन्होंने कहा है कि इस साल 6 करोड़ रुपये का ऋण उन्हें दिया जायेगा तो मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहता हूं कि उनकी माग कितनी राशि की थी और जो ऋण मांगा उसमे किन किन मदों पर खर्च करने वाले हैं उसकी कोई सूची दी थी ? यदि हां, तो वह सूची क्या है ?

THE MINISTER OF IRRIGATION AND POWER (DR. K. L. RAO) : The Fourth Plan provision for the Delhi city is about Rs. 42 crores. Out of that Rs. 2½ crores have been allotted for the NDMC and the balance of Rs. 39½ crores is for the DESU. From year to year, the money will be given according to the requirements. This year it is about Rs. 6.95 crores. The first instalment is